यश ने 700 फैन्स के साथ खिंचवाई तस्वीरें

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार यश ने एक बार फिर अपने फैन्स के प्रति अपने खास जुड़ाव की मिसाल पेश की है. यश ने बताया कि उन्होंने करीब 700 फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और ऑडियंस में मौजूद हर फैन से मिलने के लिए करीब 30 मिनट तक रुके. यश ने इस अनुभव को साझा करते हुए कहा कि यह पल उनके लिए बेहद खास और जीवनभर याद रहने वाला है.

उन्होंने बताया कि वह सुबह से शाम तक फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवाते रहे. रिपोर्टिंग पूरी होने के बाद भी उन्होंने ऑडियंस से मिलने और एक-एक करके सभी के साथ तस्वीरें खिंचवाने का फैसला किया.

यश ने कहा, 'उनके लिए ये लाइफटाइम मेमरेबल था. सुबह से शाम तक भी फोटो दिया हूं. यश का यह अंदाज उनके फैन्स के प्रति सम्मान और उनके साथ मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है. उन्होंने कुछ फैन्स के साथ तस्वीरें खिंचवाकर वहां से जाने के बजाय धैर्यपूर्वक रुककर सभी को समय दिया. उनके इस व्यवहार ने वहां मौजूद फैन्स के लिए इस मुलाकात को यादगार बना दिया. यश इन दिनों गीतु मोहनदास लिखित और निर्देशित फिल्म 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' को लेकर चर्चा में हैं. केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण वेंकट के. नारायण और यश ने किया है. फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगी.

आवारापन 2 के बाद इमरान की जन्नत 3 भी होगी रिलीज

इमरान हाशमी के करियर में 'जन्नत' एक ऐसी फिल्म रही है, जिसने अभिनेता को दर्शकों के बीच एक अलग पहचान दिलाई. फिल्म की कहानी, इमरान का किरदार और इसके गानों ने इसे खास तौर पर युवाओं के बीच लोकप्रिय बनाया था. अब लंबे इंतजार के बाद इस फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है.

'आवारापन 2' की सफलता के बीच प्रोड्यूसर विशेष भट्ट ने इमरान हाशमी की 'जन्नत' के तीसरे पार्ट यानी 'जन्नत 3' को लेकर बड़ा खुलासा किया है. विशेष भट्ट ने जूम के साथ बातचीत में 'जन्नत 3' को लेकर पूछे गए सवाल पर साफ तौर पर कहा कि 'आवारापन' के बाद वह बिल्कुल 'जन्नत 3' की ओर देख रहे हैं. जब उनसे फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने बताया कि इसी चीज पर काम चल रहा है. उनके इस बयान से साफ संकेत मिलते हैं कि फिल्म को लेकर शुरुआती स्तर पर काम शुरू हो चुका है और कहानी को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है.

यह खबर ऐसे समय सामने आई है, जब 'आवारापन 2' बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है. फिल्म ने रिलीज के महज तीन दिनों में दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये के ग्रॉस कलेक्शन का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म की सफलता ने एक बार फिर इमरान हाशमी की स्टार पावर को चर्चा में ला दिया है. यही वजह है कि उनकी पुरानी फिल्मों की फ्रेंचाइजी को भी आगे बढ़ाने की उम्मीदें मजबूत हुई हैं.

इमरान हाशमी को बॉलीवुड में लंबे समय तक 'सीरियल किसर' की छवि के साथ देखा गया, लेकिन 'जन्नत', 'आवारापन', 'मर्डर' और 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई' जैसी फिल्मों में उनके अभिनय ने साबित किया कि वह अलग-अलग तरह के किरदार निभाने में सक्षम हैं.

'जन्नत' खास तौर पर उनके करियर की महत्वपूर्ण फिल्मों में गिनी जाती है.

आर्यन खान की वेब सीरीज 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में राघव जुयाल का इमरान की तारीफ में कहा गया संवाद—'अक्खा बॉलीवुड एक तरफ और इमरान हाशमी एक तरफ'—अब अभिनेता की मौजूदा सफलता के बीच सोशल मीडिया पर फिर चर्चा में है.

टेलीविजन हलचल

स्वतंत्रता दिवस पर प्रीमियर हुई नई फाइनाइट सीरीज

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर कलर्स ने एक ऐसी कहानी को पर्दे पर उतारा है, जिसकी जंग युद्धभूमि से दूर लेकिन उतनी ही चुनौतीपूर्ण है. '108 बेस हॉस्पिटल-उरी' नाम की नई आर्मी हॉस्पिटल ड्रामा सीरीज में उन डॉक्टरों, नर्सों और मेडिकल स्टाफ की दुनिया दिखाई गई है, जो घायल सैनिकों को जिंदगी की ओर वापस लाने के लिए हर दिन समय के खिलाफ लड़ाई लड़ते हैं. सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त को हुआ और अब यह हर शनिवार-रविवार रात 8 बजे कलर्स और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रही है. उरी के इंडियन आर्मी बेस हॉस्पिटल में सेट यह शो सेना के मेडिकल स्टाफ के उस पक्ष को सामने लाने की कोशिश करता है, जिसे अक्सर युद्ध की बड़ी कहानियों के बीच नजरअंदाज कर दिया जाता है. जहां सैनिक सीमा पर देश की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं, वहीं आर्मी हॉस्पिटल के डॉक्टर और मेडिकल टीम घायल जवानों की जिंदगी बचाने के लिए लगातार संघर्ष करते हैं. यहां हर मरीज सिर्फ एक केस नहीं, बल्कि देश की रक्षा करते हुए घायल हुआ एक सैनिक है. उसे बचाना और उसके परिवार तक सुरक्षित लौटाने की कोशिश करना ही सबसे बड़ा मिशन है. सीरीज में एरिका फर्नांडिस डॉ. मेजर नैना, गश्मीर महाजनी डॉ. मेजर अनिरुद्ध और निखिल खुराना मेजर समीर दीक्षित के किरदार में नजर आ रहे हैं. वहीं आयोशी तालुकदार डॉ. कैप्टन मिली बनर्जी की भूमिका निभा रही हैं. हितेन तेजवानी डॉ. कर्नल सूर्यकांत ठाकुर और स्मिता बंसल लेफ्टिनेंट कर्नल प्रिंसिपल मैट्रन कविता झा के किरदार में दिखाई देंगी. शो की खासियत यह है कि इसमें युद्ध को सिर्फ गोलियों और हथियारों के नजरिए से नहीं देखा गया है.

वीर पहाड़िया की 'प्रेम कीटाणु' का टीजर रिलीज

वीर पहाड़िया एक बार फिर दर्शकों को अपने नए और मजेदार अंदाज से एंटरटेन करने के लिए तैयार हैं. उनकी आगामी फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का टीजर सोमवार को रिलीज कर दिया गया है. फिल्म के एलान के बाद से ही इसे लेकर चर्चा थी और अब टीजर सामने आने के बाद कहानी की पहली झलक भी दर्शकों को मिल गई है.

टीजर को देखकर साफ है कि फिल्म की कहानी कॉलेज लाइफ, दोस्ती, मस्ती और प्यार के इर्द-गिर्द घूमती है. टीजर की शुरुआत कॉलेज में होने वाली रैगिंग के एक सीन से होती है. कॉलेज कैंपस में छात्रों का पूरा गुट नजर आता है, जहां सीनियर्स जूनियर्स के साथ रैगिंग करते दिखाई देते हैं. इस शुरुआती सीन के बाद कहानी में कई मजेदार घटनाएं और संवाद देखने को मिलते हैं. वीर पहाड़िया इस फिल्म में एक बैकबेंचर छात्र की भूमिका निभा रहे हैं. उनका किरदार पढ़ाई में कितना आगे है, यह तो फिल्म में पता चलेगा, लेकिन टीजर में उनका अंदाज देखकर लगता है कि कॉलेज की जिंदगी में वह खूब मस्ती करने वाले हैं. फिल्म का नाम 'प्रेम कीटाणु' भी अपने आप में कहानी को लेकर उत्सुकता पैदा करता है.

मिर्जापुर के फैंस के लिए बड़ा सरप्राइज

वारून फॉरएवर' का पोस्टर आउट

एक्सेल एंटरटेनमेंट और अमेजन एमजीएम स्टूडियोज ने बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' के आगामी गाने 'वारून फॉरएवर' के दो नए पोस्टर जारी किए हैं। पोस्टर्स में पहली बार गाने की विजुअल दुनिया की झलक देखने को मिली है, जिससे फिल्म के इस म्यूजिकल ट्रैक को लेकर दर्शकों का उत्साह बढ़ गया है. 'वारून फॉरएवर' फ्रेंचाइजी के लोकप्रिय गाने 'वारून' का नया वर्जन है. वर्ष 2020 में रिलीज हुआ यह सोलफुल ट्रैक 'मिर्जापुर' की दुनिया का अहम हिस्सा बन गया था. ओरिजिनल गाने को रोमी ने अपनी आवाज दी थी, जबकि इसका संगीत आनंद भास्कर और बोल गिन्नी दीवान ने लिखे थे.

'वारून फॉरएवर' में रोमी एक बार फिर अपनी आवाज का जादू बिखेरेंगे. इस बार उनके साथ लोकप्रिय गायिका श्रेया घोषाल भी नजर आएंगी. आनंद भास्कर और गिन्नी दीवान भी इस नए वर्जन के लिए लौटे हैं. उन्होंने ओरिजिनल गाने की रूह को बरकरार रखते हुए इसे नए म्यूजिकल अंदाज में पेश किया है.

मित्ता रोर और स्वरा वर्मा 'गन और गुलाब' में हरियाणवी पॉप एनर्जी लेकर आए

एक हाथ में बंदूक और दूसरे में गुलाब लिए, मित्ता रोर वापस आ गए हैं, और इस बार वह कहानी के दोनों पहलू पेश कर रहे हैं. 'शीशा' की ज़बरदस्त एनर्जी से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने के बाद, हरियाणवी पॉप के सबसे तेजी से उभरते सितारों में से एक, मित्ता रोर ने स्वरा वर्मा के साथ 'गन और गुलाब' के जरिए वापसी की है. यह एक अपबीट, हाई-एनर्जी ट्रैक है, जिसमें रोमांस के साथ आत्मविश्वास, मस्ती और वह बेखौफ अंदाज भी है, जिसके लिए मित्ता जाने जाते हैं. 'गन और गुलाब' के केंद्र में एक ऐसा कपल है जिसकी डायनामिक्स जानी-पहचानी होने के साथ-साथ काफी मनोरंजक भी है. वह निडर है, आत्मविश्वासी है और ऐसा इंसान है जो किसी से पीछे नहीं हटता, लेकिन जब बात उसकी प्रेमिका की आती है, तो नियम बदल जाते हैं. उसका सख्त बाहरी आवरण पिघलने लगता है और उसका वह नरम पहलू सामने आता है जो दुनिया को शायद ही कभी देखने को मिलता है.

ऑटो मोबाइल

डिफेंडर ओक्टा से भी ज्यादा पावरफुल होगी नई डाकर

लैंड रोवर ने अपनी सबसे खास ऑफ-रोड एसयूवी में से एक डिफेंडर डाकर को तैयार किया है. इसे देखकर पहली नजर में ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सामान्य डिफेंडर नहीं है. एसयूवी का डिजाइन और तकनीक काफी हद तक डी7एक्स-आर रेसर से प्रेरित है, लेकिन रोड-लीगल मॉडल होने के कारण इसमें कुछ ऐसी क्षमताएं जोड़ी गई हैं, जो इसे बेहद खास बनाती हैं.

सबसे बड़ा बदलाव इसके इंजन में देखने को मिलता है. डिफेंडर डाकर में 4.4-लीटर ट्विन-टर्बो वी8 इंजन दिया गया है. यही इंजन डी7एक्स-आर रेसर में भी इस्तेमाल किया गया था, लेकिन रेस कार में इसका आउटपुट मोटरस्पोर्ट नियमों के कारण करीब 394 एचपी तक सीमित था. वहीं डिफेंडर डाकर में यह इंजन 626 एचपी की पावर और 750 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है. यही इंजन डिफेंडर ओक्टा में भी इस्तेमाल होता है, लेकिन लेटेस्ट ओक्टा फेसलिफ्ट में इसकी पावर घटकर 533 एचपी रह गई है. इस लिहाज से डाकर पावर के मामले में ओक्टा से भी आगे निकल जाती है.

इंजन के अलावा एसयूवी का बॉडी स्ट्रक्चर, ट्रांसमिशन और ड्राइवट्रेन भी डी7एक्स-आर रेसर से प्रेरित हैं. इसकी बॉडी सामान्य डिफेंडर की तुलना में ज्यादा चौड़ी है. इसमें 20-इंच फोर्ज्ड अलॉय व्हील और 35-इंच ऑल-टेरेन टायर लगाए गए हैं. ज्यादा ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ कॉइल स्प्रिंग और बिलस्टीन डैम्पर्स मिलते हैं, जो मुश्किल इलाकों में एसयूवी की क्षमता बढ़ाते हैं. ऑफ-रोडिंग के लिए डाकर में ड्यून्स और ग्रेवल जैसे अलग ड्राइविंग मोड दिए गए हैं. इसका सबसे खास फीचर फ्लाइट मोड है. इसे खास तौर पर उस स्थिति के लिए तैयार किया गया है, जब एसयूवी तेज रफ्तार में किसी उछाल के कारण हवा में पहुंचती है और फिर जमीन पर उतरती है.

क्लासिक 350 का नया गोरखा अवतार तैयार

रॉयल एनफील्ड अपने लोकप्रिय मॉडल क्लासिक 350 को एक नए अंदाज में पेश करने जा रही है. कंपनी 18 अगस्त 2026 को क्लासिक 350 का गोरखा एडिशन भारतीय बाजार में लॉन्च करेगी. खास बात यह है कि लॉन्च से पहले ही इस स्पेशल एडिशन की बाइक्स डीलर यार्ड तक पहुंचना शुरू हो गई हैं. ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि लॉन्च के तुरंत बाद इसकी डिलीवरी भी शुरू हो सकती है. क्लासिक 350 गोरखा एडिशन को सामान्य मॉडल से अलग बनाने के लिए कंपनी ने इसके लुक में खास बदलाव किए हैं. बाइक का सबसे प्रमुख आकर्षण इसका लाइट मिलिट्री ग्रीन या ऑलिव ग्रीन पेंट शेड है. हालांकि रॉयल एनफील्ड ने अभी इस रंग के आधिकारिक नाम की पुष्टि नहीं की है. यह शेड सेना की गाड़ियों में इस्तेमाल होने वाले रंग की याद दिलाता है और गोरखा रेजिमेंट की पहचान से भी मेल खाता नजर आता है.

महिंद्रा की 'बेबी डिफेंडर' जल्द मचाएगी धमाल

महिंद्रा भारतीय एसयूवी बाजार में लगातार नए मॉडल और नई तकनीक के साथ अपनी पकड़ मजबूत कर रही है. अब कंपनी एक ऐसी कॉम्पैक्ट एसयूवी पर काम कर रही है, जो अपने बॉक्सी डिजाइन और मजबूत रोड प्रेजेंस के कारण काफी चर्चा में है. विजन एस कॉन्सेप्ट पर आधारित इस प्रोडक्शन मॉडल को लोग इसके लुक के कारण महिंद्रा की 'बेबी डिफेंडर' कह रहे हैं.

कंपनी ने इसे 15 अगस्त को पेश करने की उम्मीदों के बावजूद अभी तक आधिकारिक तौर पर अनवील नहीं किया है. हालांकि रोड टेस्टिंग के दौरान इसके प्रोटोटाइप कई बार कैमरे में कैद हो चुके हैं. नई एसयूवी का डिजाइन लंबा, सीधा और बॉक्सी रखा जा सकता है.

इसके जरिए महिंद्रा लैंड रोवर डिफेंडर 90 जैसी रफ-टफ और दमदार रोड प्रेजेंस देने की कोशिश कर सकती है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसका प्रोडक्शन वर्जन स्कॉर्पियो परिवार का हिस्सा हो सकता है. इसकी लंबाई 4 मीटर से कम रहने की उम्मीद है.

महंगी हुई बजाज पल्सर एन160

सबसे सस्ता वेरिएंट हुआ बंद

बजाज ऑटो ने अपनी लोकप्रिय पल्सर एन160 2वी की रेंज को लेकर बड़ा बदलाव किया है. कंपनी ने इसका सबसे सस्ता सिंगल-चैनल एबीएस और सिंगल-सीट वाला बेस वेरिएंट भारतीय बाजार से हटा दिया है. यह वेरिएंट करीब 1,16,201 रुपये एक्स-शोरूम कीमत पर उपलब्ध था और उन ग्राहकों के लिए पल्सर एन160 का एंट्री प्वाइंट था, जो कम बजट में स्पोर्टी स्ट्रीटफाइटर खरीदना चाहते थे. इस बेस मॉडल की सबसे बड़ी खासियत इसकी कीमत के साथ मिलने वाला साधारण हार्डवेयर था. इसमें सिंगल-चैनल एबीएस, सिंगल सीट और पारंपरिक टेलीस्कोपिक फ्रंट फोर्क मिलता था. पहले लॉन्च किए गए सिंगल-सीट वेरिएंट में भी 37 मिमी टेलीस्कोपिक फोर्क और सिंगल-चैनल एबीएस जैसे हार्डवेयर दिए गए थे.

अब इस वेरिएंट के बंद होने के बाद पल्सर एन160 की शुरुआती कीमत ऊपर जा सकती है. यानी जो ग्राहक पहले सबसे सस्ता मॉडल चुन सकते थे, उन्हें अब रेंज के अगले वेरिएंट की ओर जाना होगा. हालांकि इसके बदले उन्हें ज्यादा प्रीमियम हार्डवेयर और फीचर्स मिलने की संभावना है. पल्सर एन160 की मौजूदा रेंज में यूएसडी फ्रंट फोर्क एक प्रमुख अपग्रेड है.

यंग इंडिया

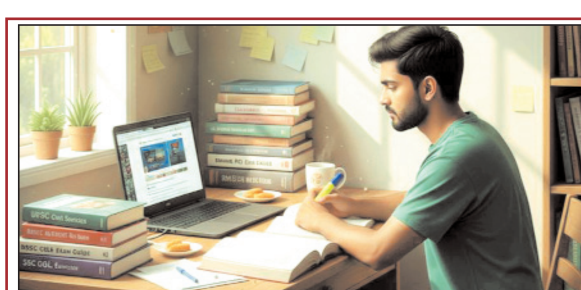

6 बार नहीं, अब उम्र तक जितनी बार चाहें दें ओसीएस परीक्षा

ओडिशा में सिविल सेवा और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए राज्य सरकार ने बड़ा फैसला लिया है. मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में ओडिशा सिविल सेवा परीक्षा और सरकारी भर्तियों के नियमों में बदलाव को मंजूरी दी गई है. इसके तहत ओडिशा लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित होने वाली ओडिशा सिविल सेवा परीक्षा में 6 प्रयासों की अधिकतम सीमा समाप्त कर दी गई है. इसके अलावा सरकारी नौकरियों में आवेदन की अधिकतम आयु सीमा बढ़ाकर 42 वर्ष करने का फैसला किया गया है.

इस फैसले का सबसे बड़ा फायदा उन अभ्यर्थियों को मिलेगा, जो सीमित अटैम्प्ट के कारण परीक्षा से बाहर हो जाते थे. पहले सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के लिए ओडिशा सिविल सेवा परीक्षा में अधिकतम छह प्रयास की सीमा लागू थी. अब यह बाध्यता खत्म हो गई है. यानी अभ्यर्थी अपनी निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के भीतर परीक्षा में कितनी भी बार शामिल हो सकते हैं. इससे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे युवाओं को अपनी रणनीति बनाने और बार-बार प्रयास करने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा.

सरकार ने सरकारी नौकरियों के लिए अधिकतम आयु सीमा को भी बढ़ाकर 42 वर्ष करने का निर्णय लिया है. पहले अलग-अलग भर्तियों में सामान्य वर्ग के लिए अधिकतम आयु सीमा 32 या 38 वर्ष तक थी. नए फैसले के बाद 42 वर्ष तक के उम्मीदवारों को सरकारी भर्ती परीक्षाओं में आवेदन का अवसर मिल सकेगा. आरक्षित वर्गों को नियमानुसार मिलने वाली अतिरिक्त आयु छूट भी जारी रहेगी. राज्य सरकार का यह फैसला उन उम्मीदवारों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिनकी तैयारी का समय कोविड-19 महामारी, परीक्षाओं के स्थगित होने या भर्ती प्रक्रिया में देरी के कारण प्रभावित हुआ था.

बिना परीक्षा मेडिकल कोर्स में दाखिला

10वीं- 12वीं पास के लिए मौका

10वीं और 12वीं के बाद हेल्थकेयर या पैरामेडिकल सेक्टर में करियर बनाने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (एनआईटीसी), नई दिल्ली से जुड़ी प्रवेश प्रक्रिया चर्चा में है. संस्थान की ओर से 2026 सत्र के लिए स्वास्थ्य और पैरामेडिकल क्षेत्र से जुड़े रोजगारपरक पाठ्यक्रमों में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू किए जाने की जानकारी सामने आई है.

खास बात यह है कि उपलब्ध जानकारी के अनुसार इन कोर्स में प्रवेश के लिए अलग से कठिन प्रवेश परीक्षा या एंट्रेंस टेस्ट की प्रक्रिया नहीं रखी गई है. एनआईटीसी में हेल्थ, फिजियोथेरेपी और डेंटल टेक्नीशियन जैसे क्षेत्रों से जुड़े पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन मांगे गए हैं. ऐसे कोर्स उन विद्यार्थियों के लिए उपयोगी हो सकते हैं, जो मेडिकल क्षेत्र में डॉक्टर या नर्सिंग के अलावा तकनीकी और सहायक स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े करियर विकल्प तलाश रहे हैं.

प्रवेश प्रक्रिया में मेरिट और सीट उपलब्धता को आधार बनाए जाने की बात कही गई है. उम्मीदवारों को अपनी शैक्षणिक योग्यता के आधार पर आवेदन का मौका मिलेगा और उपलब्ध सीटों के अनुसार प्रवेश दिया जा सकता है. आवेदन की अंतिम तारीख 31 अगस्त 2026 है. इन पाठ्यक्रमों की एक खासियत इनका व्यावहारिक प्रशिक्षण बताया जा रहा है. फिजियोथेरेपी से जुड़े प्रशिक्षण में मरीजों की शारीरिक गतिविधियों और पुनर्वास से संबंधित तकनीकों की जानकारी मिल सकती है, जबकि डेंटल टेक्नीशियन से जुड़े पाठ्यक्रम में दांतों और डेंटल लैब से संबंधित तकनीकी कार्यों का प्रशिक्षण दिया जाता है. सैनिटरी इंस्पेक्टर जैसे पाठ्यक्रम स्वास्थ्य, स्वच्छता और सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े कार्यों की समझ विकसित करने पर केंद्रित हो सकते हैं.

हालांकि यहां एक जरूरी बात यह है कि 'बिना परीक्षा' का मतलब अपने आप मेडिकल डिग्री में प्रवेश नहीं है. ये पैरामेडिकल या कौशल आधारित पाठ्यक्रम हैं और इनकी योग्यता, अवधि, फीस, मान्यता तथा प्रमाणपत्र का स्तर अलग-अलग हो सकता है.

एमपी हाईकोर्ट में 1174 पदों पर भर्ती, आज से आवेदन

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में सरकारी नौकरी की तलाश कर रहे स्नातक युवाओं के लिए महत्वपूर्ण खबर है। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट, जबलपुर ने असिस्टेंट ग्रेड-3 के 1174 पदों पर सीधी भर्ती के लिए अधिसूचना जारी कर दी है. इस भर्ती के तहत हाईकोर्ट के अलावा मध्य प्रदेश के विभिन्न जिला न्यायालयों में भी उम्मीदवारों की नियुक्ति की जाएगी.

आवेदन प्रक्रिया 17 अगस्त 2026 से शुरू होगी और इच्छुक एवं योग्य उम्मीदवार 16 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे. भर्ती से जुड़ी विस्तृत जानकारी हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट mphc.gov.in पर उपलब्ध कराई गई है. इस भर्ती के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से स्नातक होना जरूरी है. उम्मीदवार किसी भी विषय या संकाय से स्नातक डिग्री प्राप्त कर सकता है. इसके साथ ही उसके पास किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से एक वर्ष का कंप्यूटर एप्लीकेशन डिप्लोमा होना चाहिए.

इसमें डीसीए, पीजीडीसीए या इसके समकक्ष मान्य योग्यता शामिल है. इस तरह भर्ती में आवेदन करने के लिए सामान्य स्नातक डिग्री के साथ कंप्यूटर संबंधी योग्यता भी महत्वपूर्ण रखी गई है.अभ्यर्थियों के लिए हिंदी और अंग्रेजी टाइपिंग का ज्ञान भी आवश्यक है. मध्य प्रदेश शासन द्वारा आयोजित सीपीटी/सीपीसीटी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले या निर्धारित टाइपिंग प्रमाणपत्र रखने वाले उम्मीदवार पात्रता शर्तों को पूरा कर सकते हैं. उम्मीदवारों को आवेदन करने से पहले अपनी शैक्षणिक योग्यता, टाइपिंग प्रमाणपत्र और कंप्यूटर डिप्लोमा से संबंधित सभी दस्तावेज तैयार रखने चाहिए.